P-ISSN: 2394-1685
E-ISSN: 2394-1693
Impact Factor (RJIF): 5.38
IJPESH 2023; 10(3): 28-32
© 2023 IJPESH
www.kheljournal.com
Received: 13-02-2023
Accepted: 16-03-2023

Dr. Vibekanand Singh
Principal, Gulam Nabi Azad College of Physical Education, Nagpur, Maharashtra, India

Corresponding Author:
Dr. Vibekanand Singh
Principal, Gulam Nabi Azad College of Physical Education, Nagpur, Maharashtra, India

स्थानीय समाचार पत्रो में खेल समाचार के लिये प्रयुक्त स्तम्भों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Dr. Vibekanand Singh

सारांश
समाचार वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी है । एक और यह विकास और प्रगती के लिए आवश्यक है तो दूसरी और यह उन्नती प्रतीक बनकर सामने आता है। आज समाचार पत्र सर्वत्र पढ़ा जा रहा है जिसका व्यापक समर्थन है। देश, समाज की प्रगती और उन्नती के लिए तथा इसके साथ स्त्री, पुरुष, बच्चे, युवा के लिये यह शिक्षित होने का एक माध्यम है। समाचार पत्रों द्वारा अनेकों प्रकार की कठिनाईयों, कमियों, तकनिकों को दूर किये जा सकने का माध्यम बना दिया गया है अतः इसे पाठशालाओं, महाविद्यालयों, शिक्षा संस्थाओं और अन्य दसूरे सरकारी प्रतिष्ठानों में इसकी माँग बढ़ी है और लोग रूचि से जिज्ञासा से, इसे अनिवार्हता का दर्जा हे रहे है। अंतः यही इसकी उपयोगिता और सार्थकता का प्रमाण भी है। शारीरिक शिक्षण गतिविधीयों के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के खेलकूद आते हैं जिनमें कुछ आधुनिक आज के बड़े उपयुक्त खेल है। बास्केटबॉल, व्हॉलीबॉल, हैन्डबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल आदि अनेक ऐसे क्रीडा का हलचल है जो सर्वसामान्य का दैनिक व महत्वपूर्ण अंग बन चुकी है। कुछ लोगों ने शारीरिक क्रियाएँ, तो कुछ ने इसे गतिक हलचल मानते हुए उसे दक्षता के लिये स्विकार किया है। वैसे तो खेलकूद का प्रत्येक हिस्सा मनोरंजक है जो व्यस्त जीवन में अनुगमन करने के लिये आवश्यक प्रतीत होता है और इसलिये इन विभिन्न खेलकूद को विवरण, विश्लेषण कर विस्तार के साथ प्रस्तुतीकरण एक सर्वमान्य अपेक्षित एवं मान्य विद्या के रूप में अपनाई गई है। अंतः खेल समाचार का महत्व दैनंदिन बढ़ता जा रहा है।दैनिक अखबार में क्रीडा व खेलकूद समाचार का अपना अलग महत्व है पर धीरे धीरे खेलकूद समाचार देने की विधियों में जो कि पारंपारिक रूप में थी, वह अब धीरे धीरे बदल रही है; वैसे बदलाव की आवश्यकता भी है। इन दिनों अखबार एक नए रूप में सजने लगी है जिसमें उसका रूपरंग और स्वरूप एक नये कलेवर के साथ दिखाई पड़ रही है अतः क्रीडा वृत्तपत्र भी अधूता कैस रह सकता है.. वर्तमान अध्ययन के दौरान जो आंकड़े मिले उन्हें एसपीएसएस सांख्यिकी साफ्टवेअर की सहायता से विविध सांख्यिकी परीक्षा प्रक्रिया की तहत पेश किया गया। आंकड़ों की विशिष्टता जैसे बारम्बारता, प्रतिशत, आदि निर्धारित किए गए। प्रारम्भिक प्रदत्त संग्रह मे नागपूरके समाचारचत्रोसे जानकारी प्राप्त की गयी तथा इस अध्ययन के लिए चुने गए घटकों से संबंधित तथ्यों का संकलन विशिष्ट चयनित परीमाण के माध्यम से किया गया। इस अध्ययन के परिणामो के आधार पर निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले गए है।

कूटशब्द: समाचार, पत्रकार, खेल संपादक, खेल संवाददाता

प्रस्तावना
विज्ञान और तकनीकी युग ने उपभोक्तावाद को जन्म दिया है जिसमें निरंतर सोधी रहे है। और आम लोगों का जनमानस का गहन-सहन का स्तर उंचा उठ रहा है.

उनकी शक्ती बह रही है, जिससे जीवन आरामदायक और आसान बन रहा है और इन सब बातों के लिये संचार जाती को महत्व दिया जाना चाहिए, जिसमें अनेको विभिन्न समाचार पत्रों, पत्रिकाएँ जानकारी देने के लिए कार्य कर रही है। इसलिये समाचार पत्र मनुष्य मात्र के लिए जरूरी बन गये है। समाचार पत्रों के बिना किसी भी प्रकार का कार्य क्रीडा व्यापार, व्यवसाय या उद्योग की सफलता नही मिल सकती। इस तरह यह स्वतः एक बड़ा माध्यम बन चुका है। जीवन लक्ष्य को प्राप्ति के लिए भी आप किसी भी जगह, शहर या गांव चले जावे, आपके साथ या आपके बाद समाचार पत्र चलते हुए नजर आयेंगे।. समचार पत्र क्षेत्रीय हो या राष्ट्रीय स्तर की हो या आंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, लोकतात्रिक शासनव्यवस्था में उनका बड़ा महत्वपूर्ण स्थान रहता है। जनता और शासक के बीच में एक कड़ी का कार्य करती है। सभी प्रकार की सरकारी आदेश, विज्ञप्तियों या सूचनाओं को वे त्वरित जनता जनार्दन के समक्ष प्रस्तुत करती है, जिससे प्रचार, प्रसार सुलभता से संभव होता है जो सामाजिक कारणों को दूर करने व उसे मिटाने में मुख्य भुमिका का निर्वहन करती है। संपूर्ण भारत वर्ष में लगभग ५००० दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित किये जाते है। जो विभिन्न भाषा-भाषी वाली होती है। जिनमें अंग्रेजी, हिन्दी, मराठी, बांगला, पंजाबी, तेलगू आदि कई भाषाओं में समाचार प्रकाशित होते है। शिक्षा के विकास के साथ-साथ समाचार पत्रों की लोकप्रियता बढती ही जा रही है।इन सब के बावजूद खेलकूद का स्वरूप विकसित होता हुआ लोगों के विचारधारा व सोच के अनुकूल बनाया जा रहा है। इस बदलते परिदृष्य में विभिन्न प्रकार के शारीरिक हलचल व गतिक क्रियाओं में सम्मिलित होने वाले लोगों की संख्या भी आश्चर्यजनक रूप से बढती ही जा रही है। अनेक लोग खेल कूद में प्रत्यक्ष हिस्सा लेकर सहभाग कर रहे है। कुछ दूसरे इन गतिविधियों के देखने में विश्वास करते हैं। अंततः खेल के प्रति हिस्सेदारी चाहे प्रत्यक्ष रूप से हो या अप्रत्यक्ष रूप में बढती ही जा रही है। इनसे परीचित होने विभिन्न पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से उच्चस्तरीय समाचार पत्र निर्मित हो रहे है। स्पर्धाएं और प्रतियोगिताओं के द्वारा प्रत्येक गतिविधिओं के प्रदर्शन एवं परिणाम को जानने, पढने, देखने का सहभाग आनंद देता है। इस सब के साथ विविध व विशेष आयोजन पर पूरा एक पेज को खेल समाचार के लिये आरक्षित किया जाता है। इस तरह खेल खिलाड़ी, आयोजक, प्रायोजक एवं सामान्य जन के बीच इन खेल समाचार के द्वारा एक अटूट संबंध बनता जा रहा हैं। इस तरह इन्ही खेल समाचारों ने क्रीडा प्रथा के महत्व को बढा दिया है और प्रत्येक बडे खेलों में एक आकर्षण ला दिया हैं जिससे समाज के अनेक दूसरे लोगों ने भी मंनोरजन के अलावा इसे शैक्षणिक, व्यावसाईक व उद्योग का रूप दिया है। समाज के प्रत्येक वर्ग में खेलों के प्रति रूचि व जिज्ञासा उत्पन्न होने का कारण ही है. यह खेल समाचार व खेल के विशेष परिणाम है। विभिन्न प्रकार के खेल स्तंभ, खेलपर स्वतंत्र लेखनी और विभिन्न खेल समाचारों द्वारा एक आदर्श संस्कार को प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे समाज के शैक्षणिक प्रसार में दिशायुक्त मार्गदर्शन करने का स्तुत्य कार्य कर रही है। ये खेल समाचार हो है जिन्होंने स्पोर्टमैन की नई संकल्पना दी है और यदाकदा विभिन्न अवसरों पर इसे बनाये भी रखते है। प्रत्येक खेलकूद की अनेक गतिविधियों को प्रस्तुत करते हुए क्रीडा विषयक रूपरेखा प्रस्तुत करना, खेलों का समालोचनात्मक विवरण देने तथा समाज की गतिविधियों को खेल का स्वस्थ रूप प्रदान कर, खेल को गरीमा बनाये रखने का कार्य कर, विश्लेषण द्वारा कई सामाजिक कार्य में अग्रणी भूमिका का निर्वहन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। इस तरह क्रीडा विषयक मीमांसा करते हुए, समाज का क्रीडा विषयक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए क्रीडा के सामाजिक वातावरण की निर्मिती की जा रही है। यही खेल समाचार की भूमिका है जो खेलकूद के स्तर को उठाते हुये युवा वर्ग की शारीरिक क्षमता को बढा रही है। इस तरह क्रीडा पत्रकारिता समाज व देश के स्वास्थ संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। समाचार पत्र अपने स्वरूप अंतर्गत घटनाओं की जानकारी देते है जो विभिन्न समाचार माध्यम में प्रकाशित होते है। सभीप्रकार की गतिविधियों एवं घटनाओं की निष्पक्ष रूप से समीक्षात्मक विश्लेषण के साथ, सूचनाएं देते हुए पाठकों को सचेत अवस्था में रखने का एक प्रयास माध्यम है।. संचार माध्यम में, स्थानीय समाचार पत्र, प्रमुख भुमिका का निर्वहन करते है। आधुनिकता के इस युग में, जबकि चारों तरफ विभिन्न क्रीडा व खेलकूद गतिविधियाँ निर्वाध्य रूप से चल रही है और उसके आनंद को ये स्थानीय समाचार पत्र, विभिन्न माध्यम अपनाते हुए, विशिष्ट खेलपर स्तंभ दे कर खबर को और रूचिकर बना देते है, जिसमें विशेष खेल संवाद, स्तंभ लेखक के अपने विचार, तथ्यों पर आधारित टिप्पणी, कुछ प्रचलित आलंकारिक उक्तियों द्वारा पढनीय बना दिया जाता है जिससे खेल का विश्लेषण आकर्षण बन जाता है वही खेलकूद के दूसरे प्रकार के समाचार व्याख्यात्मक होते हैं जिसमें खेल जगत की गतिविधियों को प्रमुखता से दिया जाता है। शोध प्रबन्ध की रूपरेखा अंतर्गत "स्थानीय समाचार पत्रों में खेल समाचार के लिए प्रयुक्त स्तंम्भो, का विश्लेषनात्मक अध्ययन" को समस्या कथन के रूप में अध्ययन हेतु चयनित किया है। शारीरिक शिक्षण व खेलकूद गतिविधियों के अंतर्गत अनेक प्रकार के खेलों को समाविष्ट किया गया है। खेलकूद के संबंध में अग्रिम याने पूर्व और मल, जैसे दो प्रकार के संवादों को समाचार

पत्रों में दिया जाता है जिसमें प्रतियोगिता का नाम, प्रतियोगिता का स्तर क्रीडा विश्लेषण की पृष्ठभूमि द्वारा अग्रिम संवाद के द्वारा सशक्त रचना की जाती है। वहीं खेले गये खेल का परिपूर्ण विवरण दिया जाता है।

दिये गए सभी समाचारों की आचार संहिता होती है जिसका पालन करना खेल पत्रकार व संपादक के लिए आवश्यक माना जाता है इस तरह खेल संपादन व खेल समाचारों के प्रकाशन में उपयोग की जानेवाले संवाद को पक्षपात से दूर रखना चाहिये जिससे खेल मर्यादा भंग ना होने पावे। क्रीडा तज्ञ द्वारा या संपादक अथवा क्रीडा पत्रकार द्वारा खेलो का वर्णन, विवरण और व्याख्या को उचित रूप में प्रगटीकरण करने के आपसी तालमेल को बनाये रखने में मदत मिलती है और समाचार सरल व स्पष्ट वन जाते है। स्थानीय स्तर पर प्रकाशित किये जाने वाले खेल समाचार में क्रोडा पर जो स्तंभ दिये जाते है वे खेलने वाले की गरीमा अनुकूल हो, जिसका विवरण करते उसे यथार्थ वर्णन किये जाने का ध्येय है।खेल समाचारों के संपूर्ण स्त्रोत की रक्षा का दायित्व अखबार पर होता है अतः उचित और सही व योग्य समय पर सटीक सूचनाओं के द्वारा अध्ययन विषय के ध्येय की पूर्ति होगी, अतः खेल पत्रकार, खेल संपादक, खेल संवाददाता और अन्य स्त्रोतों को सुरक्षित आधार प्रदान करना मुख्य ध्येय है। स्थानीय स्तरपर खिलाड़ी, पत्रकार, पाठक और अन्य जनता में नजदीकी रहती है अतः व्यर्थ प्रलोभन से अपने आप को प्रयासपूर्वक बचाये रखना भी इस शोध विषय का ध्येय है जिसका प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से खेल और खिलाड़ी पर पड़ता है। आधुनिक काल में प्रा का यह सुंदर दैदीप्यमान क्षेत्र बहुत अधिक विस्तार के साथ फलफूल रहा है और लोगों को चकाचौध कर पा रहा है जिसका श्रेय २१ वी शदी को जाता है। जिसमें छोडा तज्ञ, डाके जानकार, क्रीडा में निपुणता रखने वाले लोगों ने साहित्यों एवं सुविधाओं को खूब बडा मार्ग दिया जिसका पूरा प्रदर्शन अलग अलग वर्षों की बडी बडी प्रतियोगिताएं रही चाहे वह एसियन खेल में यूरोपीय चैम्पियनशिप हो या आलम्पिक जैसी भव्य स्वरूप वाली स्पर्धाए, जिसमें खेल और खिलाड़ी को बहुत सम्मान और पैसों की प्राप्ती हुई और इस सबके साथ जानकारियों के तत्वज्ञान संबंधी संवाद जो संचार माध्यम के प्रकाशन से, चाहे वह रेडिओ, टेलीवीजन या विभिन्न समाचार पत्र हों, पत्रिकाएं हो, अनेक प्रकार की विभिन्न जानकारियों को संपुष्ट रूप में लोगों को परोसते हुए, उनके दिल दिमाग पर छा गए जिसमें सबसे अधिक सुलभ समाचार पत्र का प्रभाव रहा जिसे प्रत्येक राष्ट्र ने अपने उन्नत व विकसित माध्यम से प्रचारित प्रसारित कर लोगों को इस खेलकूद गतिविधियों की तरफ आकृष्ट कर लिया जो क्रीडा पत्रकारिता के रूप में सामने आया जिसने स्थानीयता आधार पर खेल खिलाडियों को महत्व दिला कर क्रीडा क्षेत्र को गरीमा को समृद्ध एवं विकसित किया है जो इस शोध विषय की सार्थकता को प्रमाणित करता है।

क्रियाविधि

अध्ययनकर्ता ने शोध अध्ययन के लिए सर्वेक्षण पद्धति को उपयुक्त समझकर इसे अपनाया है। सर्वेक्षण पद्धति में किसी वस्तु या पटना की सूक्ष्म निरिक्षण की जाती है। जो कि एक वैज्ञानिक पद्धति मानी गई है। इस सर्वेक्षण पद्धति में एक विशिष्ट समूह का या किसी एक विशेष वर्ग के महत्वपूर्ण पहलुओं का विश्लेषण किया जाता है। जिसमें सविस्तार जानकारी एकत्रित कर अनुमान लगाया जाता है जिससे विषय की वर्तमान स्थिती, अपेक्षित स्थिती तथा उपयुक्त साधनों का बोध होता है। इस प्रकार सर्वेक्षण पद्धति के द्वारा समस्या का स्वरुप को स्पष्टता प्राप्त होती है जिसमें आवश्यक विचार, कल्पना सिद्धान्त, स्पष्टीकरण, परिकल्पना आदि तथ्यों की जानकारी मिल पाती है। जो शोध अध्ययन संबंधी विकास के क्षेत्र की उपलब्धता को भी स्पष्टता देती है और यह सारा कार्य जानकारी एवंम् निरिक्षण द्वारा महत्वपूर्ण साधनों का उपयोग करते हुए कम से कम लागत व अत्यल्प समय में संकलित किया जा सकता है।वैसे भी समाचार पत्रों द्वारा सामान्य पाठक वर्ग एवं खेलकूद गतिविधियों से जुडे तमाम लोग अपने रुचिकर समाचार पत्र द्वारा अनेक प्रकार की जानकारी हासिल कर पाते है जिससे खेलकूद में उनकी रुचि निर्माण होती है। इस प्रकार स्थानीय आधार पर अनेक पत्र पत्रिकाएं और समाचार पत्र उपलब्ध है पर राष्ट्रीयता के आधार पर और हिंदी भाषा-भाषी के बोलीचाली को अपनाएं जाने के फलस्वरुप हिंदी के एक प्रमुख समाचार पत्र 'दैनिक भास्कर' को सर्वेक्षण आधार पर चुना गया तथा ऐसे ही अंग्रेजी में 'व्यापक रुचि रखनेवालों का सुझाव 'हितवाद' को चुना गया है अतः इन दो भाषा के पढनेवाले दो स्थानीय समाचार पत्र का चुनाव किया गया। संशोधन कार्य करते हुए विषय के निष्कर्ष के लिए संबंधित वस्तु या व्यक्ति का समूह जनसंख्या कहलाती है। इस प्रकार "स्थानीय समाचार पत्रों में खेल समाचार के लिए प्रयुक्त स्तंभों का विश्लेषणात्मक अध्ययन" विषय के लिये सभी समाचार पत्र संशोधन विषय की जनसंख्या में समाहित है। महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इस प्रकार जनसंख्या तथ्यविषय से ही न्यादर्श का चुनाव किया जाता है। जो प्रदीर्घ का छोटा रूप रहता है पर जो संपूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। प्रस्तुत अभ्यास के लिए नमूना चयन करने के लिए उद्देश्य मूलक व्यादर्श नमूना चयन विधि का उपयोग करने का प्रयास किया गया है। अनेक समाचार पत्रों के होते हुए प्राथमिक सर्वेक्षण द्वारा जिसमें कुछ समाचार पत्रों में काम करनेवाले व्यक्तियों से मौखिक पुछताछ के आधार पर, तथा कुछ खेल के

संबंधित अधिकारी गण व कुछ खिलाड़ियों से बातचीत द्वारा स्थानीय दो समाचार पत्र का जिसमें एक दैनिक भास्कर तथा अंग्रेजी का अखबार हितवाद को चुना गया और पूर्ण एक वर्ष तक के अखबार का संग्रह कर, अपने शोध अध्याय के उपयुक्त उद्देश्य का अध्ययन विश्लेषण कर (समको को संगणीकृत किया गया) संपूर्ण एक वर्ष का खेल पृष्ठों का अवलोकन किया गया। स्थानीय समाचार पत्रों में खेल समाचार के लिए प्रमुख स्तंभों का विश्लेषणात्मक अध्ययन विषयों की स्थिती को ज्ञात करने के लिए संबंधित चयनित आंकड़ों को विभिन्न मान्य स्त्रोतों द्वारा एकत्रित किया गया है। शोध अध्ययन में समाचार पत्रों में खेल समाचारों को मिलने वाले स्थानों का मापन से.मी. में करके कवरेज का क्षेत्रफल वर्ग से.मी. में प्रस्तुत किया गया है। इस अध्ययन में कुल खेल समाचारों को मापा गया है जिसे सम्मिलित किया गया है। संबंधित शोध अध्ययन विषय पर अनुसंधान कम ही पाए जा सके अतः जो भी शोधकार्य साहित्य प्राप्त हुए उन उपयुक्त योग्य तथ्यों, एवं जानकारी का उपयोग इस अध्ययन में किया जायेगा जिससे तथ्यों को सत्यापित कर, उससे शोध प्रारूप के सैद्धान्तिक क्रियान्वयन में योगदान प्राप्त हो सके। इसके लिए अध्ययन पूर्व सर्वेक्षण द्वारा विभिन्न विभिन्न स्थानीय समाचार पत्रों में से दो स्थानीय समाचार पत्रों को चयनित किया गया है। अध्ययन अंतर्गत इन आकडों को विधिवत एकत्रित करने के लिए व सही सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए प्रमुखता से निरिक्षण विधी को उपयुक्त माना है।

निष्कर्ष

समाचार पत्रों का विस्तृत आयाम है और इसलिये पत्रकारिता का व्यापक जिम्मेदारी बनती है। आज खेल के प्रचारके लिये पत्रकारोकी खेलकूद के संबंध में समीक्षा और विश्लेषण का बहुआयामी मुल्य है जीनपर खेल पत्रकारिता को आकर्षक व प्रभावकारी स्वरूप प्रदान करनेकी जीम्मेदारी है। आज खेलों के विवरण और खेले खेल का विवरण में विभिन्न स्थल, विभिन्न प्रतियोगिताओं और उनकी खेल जगत की दूसरी बडी गतिविधियों के साथ संबंधित खेल संघ के कार्य, उनकी रूपरेखा और उनके द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धाओं को स्वतंत्रता से लिखा जाता है। विभिन्न खिलाडीयो के द्वारा दिखाये गये खेल की विशेषताएँ और उस खेल विशेष में संघ के प्रमुख खिडकी प्राविण्यता भविष्य के खिलाडीयो के लिये खेलोमे भाग लेने के लिये प्रेरणादायी साबीत होती है। दैनिक अखबारों में क्रीडा व खेलकूद समाचार का अपना अलग महत्व है पर धीरे धीरे खेलकूद समाचार देने की विधियों में जो कि पारंपारिक रूप में थी, वह अब धीरे धीरे बदल रही है; वैसे बदलाव की आवश्यकता भी है। इन सभी विशेषताओं के मददेनजर प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष क्रीडा वृत्तपत्रो की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है और मौजूदा समय के अंग्रेजी तथा हिन्दी समाचार पत्रो मे प्रकाशित होनेवाले क्रीडा समाचारो की जानकारी देता है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है के पाठकों को कुछ विशेष देखने के लिए, कुछ अलग पढने के लिए अखबारो का विकास की नितांत आवश्यकता है। प्रस्तुत अनुसंधान में प्राप्त सामग्री के आधार पर जो निष्कर्ष सामने आए है उन निष्कर्षो के आधार पर अनुसंधानकर्ता की ओर से कुछ सूचनाएं तथा सिफारिशे विकसित की गई है। अनुसंधानकर्ता का कार्य केवल शोध तक ही सिमित नहीं रह गया है बल्कि शोध के पश्चात जिस समस्या को लेकर अनुसंधान किया गया हो उस समस्या के समाधान हेतु कौन कौनसे प्रयास किये जाने चाहिए इसके संबंध में भी सूचनाएं एवं सिफारिशें प्रस्तुत करना अनुसाधनकर्ता का नैतिक दायित्व होता है.

Reference

1. Ogan Christino L, Lafky, Sue A. "The Most Important Events of 1001 as Seen by Reporters. Editors, Wire Services and Media Consumers. Reports; c1982.
2. Simpson JL, Ljungqvist A, De la Chapelle A, Ferguson-Smith MA, Genel M, Carlson AS, Ehrhardt AA, Ferris E., "Gender Verification in Competitive Sports". Sports Med. 1993;16(5):305-15.
3. Silverstein. Lynn, Full-Court Press? "The New York Times' Coverage of the 1995 Women's NCAA Basketball Tournament. Reports- Evaluative; c1996.
4. Simpson JL, Ljungqvist A, De la Chapelle A, Ferguson-Smith MA, Genel M, Carlson AS, et al. "Gender verification in competitive sports". Sports Med. 1993;16(5):305-15.
5. Junge A, Langevoort G, Pipe A, Peytavin A, Wong F, Mountjoy M, et al. "Injuries in team sport tournaments during the 2004 Olympic Games", Am J Sports Med. 2006;34(4):565-76 28.
6. Capranica L, Tessitore A, D AE, Cortis C, Casella R, Camilleri E, et al. "Italian women's television coverage and audience during the 2004 Athens Olympic Games", Res Q Exerc Sport. 2008;79(1):101-15.
7. Pribble JM, Trowbridge MJ, Kamat SV, Fowler EF, Goldstein KM, Hargarten SW. "Injury reporting on local TV news: A prime- time opportunity for prevention". Am J Prev Med. 2008;34(5):420-3.
8. Capranica L, Minganti C, Billat V, Hanghoj S, Piacentini MF, Cumps E, et al. "Newspaper coverage of women's sports during the 2000 Sydney Olympic Games: Belgium, Denmark, France", and Italy. Res Q Exerc Sport. 2005;76(2):212-23.
9. Nicos L. "Kartakoullis and Andreas Theophanous_ Important Parameters of the Football Industry in Cyprus: Challenges and Opportunities"
10. Carlos Lago. "The influence of match location, quality of opposition, and match status on possession strategies in professional association football". 34. Nicos L. Kartakoullis and Andreas Theophanous Important Parameters of the Football Industry in Cyprus: Challenges and Opportunities".
11. Arjen P, Van der Knoop. "Measurement in speed skating tournaments".

12. Ellen E, Yard R. Dawn Comstock. "Effects of Field Location, Time in Competition, and Phase of Play on Injury Severity in High School Football".
13. Terence JR Babwah, "Incidence of football Injury during International Tournaments". 38. Wicks, Anne; Beedy, Jeffrey P, Spangler, Kathy J, Perkins, Daniel F. Intermediaries Supporting Sports-Based Youth Development Programs, New Directions for Youth Development. 2007;115:107-118,
14. Scott GA. Intercollegiate Athletics: Recent Trends in Teams and Participants in National Collegiate Athletic Association Sports. Report to Congressional Addressees. GAO-07-535, Government Accountability Office; c2007.
15. Dahnert R, Pack A. Behind the Scenes, American School & University. 2007;79(12):20-22.
16. Collier C, MacPhail A, O'Sullivan M. Student Discourse on Physical Activity and Sport among Irish Young People, Irish Educational Studies. 2007;26(2):195-210.